

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : प्रथमम्

पत्रम् : द्वितीयम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोऽध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 1.2 | द्वितीयम् | | पाठ्यविषयाः | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | धर्मशास्त्रस्य परिचयः, निर्णयसिन्धुकारस्य परिचयः, धर्मशास्त्रे तेषां स्थानं वैशिष्ट्यञ्च | १६ | १५ | १ |
| | | २ | प्रारम्भतः खर्वदर्पलक्षणपर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | प्रथमपरिच्छेदस्य एकभक्तकालनिर्णयतः दक्षिणानिर्णयं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | प्रथमपरिच्छेदस्य रजतदक्षिणानिषेधतः एकादशीनिर्णयं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | प्रथमपरिच्छेदस्य रजतदक्षिणानिषेधतः एकादशीनिर्णयं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : प्रथमम्

पत्रम् : तृतीयम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 1.3 | तृतीयम् | | धर्मसिन्धुः (द्वितीयपरिच्छेदः) | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | धर्मशास्त्रे धर्मसिन्धुग्रन्थस्य स्थानं वैशिष्ट्यञ्च | १६ | १५ | १ |
| | | २ | द्वितीयपरिच्छेदस्य चैत्रमासकार्यान्तं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | द्वितीयपरिच्छेदस्य वैशाखमासकार्यान्तं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | द्वितीयपरिच्छेदस्य ज्येष्ठमासकार्यान्तं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | द्वितीयपरिच्छेदस्य आषाढमासकार्यान्तं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : प्रथमम्

पत्रम् : चतुर्थम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोऽध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 1.4 | चतुर्थम् | | पाठ्यविषयाः | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | मनुस्मृतेः ७-८ अध्यायौ | १६ | १५ | १ |
| | | २ | राज्ञे उत्पत्तिः सिद्धिश्च राजपदस्याधिकारो, राज्ञः अपेक्षा, राज्ञः गुणा, दिव्यगुणैः राज्ञः प्रभावशालिता, राज्ञः सम्माननीयता | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | दण्डमृष्टिरुनदपयोगविधिश्च दण्डस्य मनस्त्वम्, न्यायपूर्णदण्डस्य हितकारित्वम्, दण्डप्रदानस्य राज्ञः अधिकारिता, अन्यायपूर्वकं दण्डप्रयोगाय राजा निषिद्धः, न्यायपूर्वकं दण्डप्रदानम् गाज्ञः यशोवृद्धिः, न्यायविरुद्धाचरणेन राज्ञः यशोनाशः | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | राजकृता नियुक्तयः-मन्त्रिणां नियुक्तिः अन्येषामामन्यानां नियुक्तिः, प्रधान दूतस्य नियुक्तिः विविधविभागाध्यक्षाणां नियुक्तिः, अवराधिकारिणानियुक्तिः, दुर्गप्रकारः- धन्वदुर्ग, महीदुर्ग, जलदुर्ग, वृक्षदुर्ग, नृदुर्ग, गिरिदुर्ग | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | व्यवहारपदपूर्वादः- प्रदणाननिक्षेपौ, अस्वामिवक्त्यः, सम्भूयजमुत्थान च, दानम्, संविद्रव्यनिक्रमः क्रयविक्रयानुरामः | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : प्रथमम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोऽध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 1.5 | पञ्चमम् | | विकल्पाधारित धर्मशास्त्र | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | धर्मलक्षणम् प्रसिद्धाः धर्मशास्त्रकाराः | १६ | १५ | १ |
| | | २ | वैदिकवाङ्मये धर्मशास्त्रस्य स्थानम् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | धर्मशास्त्रस्य समान्य परिचयः | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | ब्रह्मचर्याश्रमः ब्रह्मचर्यधर्मश्च स्नानक्रोधधर्म | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | अनयनसंस्कारः, भश्याभश्यं द्रव्यशुद्धिश्च | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : द्वितीयम्

पत्रम् : द्वितीयम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 2.2 | द्वितीयम् | | ग्रन्थः- निर्णयसिन्धो प्रथमपरिच्छेदः एकादशीनिर्णयम् इत्यारभ्य प्रथमपरिच्छेदान्तं यावत् | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | एकादशीनिर्णयम् इत्यारभ्य द्वादश्यां वर्ज्यपदार्थाः इति यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | २ | अशौचे द्वादशीव्रतम् इत्यारभ्य वैश्वदेवाकरणे प्रायश्चित्तम् इत्यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | पतितान्न भोजनेप्रायश्चित्तं इत्यारभ्य श्रतान्न निषेधं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | निराग्निकस्यावावास्यानिर्णयात् ग्रहणसमाप्ति पर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | मङ्गलकृत्येषु विशेषो वेधात् ग्रन्थसमाप्ति पर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : द्वितीयम्

पत्रम् : तृतीयम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 2.3 | तृतीयम् | | धर्मसिन्धुः - द्वितीयपरिच्छेदः | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | धर्मसिन्धौ द्वितीयपरिच्छेदारम्भात् श्रावणमासकार्यान्तं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | २ | धर्मसिन्धौ द्वितीयपरिच्छेदे भाद्रपदमासकार्यान्तं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | धर्मसिन्धौ द्वितीयपरिच्छेदात् आश्विनमासकार्यान्तं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | धर्मसिन्धौ द्वितीयपरिच्छेदात् आश्विनमासकार्यान्तं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | धर्मसिन्धौ द्वितीयपरिच्छेदे कार्तिकमासकार्यान्तं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : द्वितीयम्

पत्रम् : चतुर्थम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोऽध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 2.4 | चतुर्थम् | | याज्ञवल्क्यस्मृतेः आचाराध्यायस्य उपोद्धानात् भश्याभश्य प्रकरणं यावत् | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | उपोद्धतप्रकरणम् | १६ | १५ | १ |
| | | २ | ब्रह्मचारीप्रकरणम् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | विवाह – वर्णजानिप्रकरणम् | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | गृहस्थ - स्थातकप्रकरणम् | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | भश्याभश्यप्रकरणम् | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : द्वितीयम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 2.5 | पञ्चमम् | | मनुस्मृतेः 9- 10 अध्यायौ | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | स्त्रीपुरुषयोः दैनिकं कर्तव्यम्स्त्रियं पनिः कर्तव्यपालनाभावात् पिता पनिः पुत्राश्च निन्दिताः, कुसंगादपि स्त्रियःरक्षणीयाः, कुलप्रतिष्ठा स्त्रियां वर्तते स्त्रियः आत्मनियत्रंगादेव दुष्कर्महीनाः भवन्ति, गृहकार्येषु च स्त्रियः व्यस्ना भवतुः, जायायाः लक्षणम् | १६ | १५ | १ |
| | | २ | स्त्राद्वेषणो कारणम् – पानम्, दुर्जनसंसर्गः, पत्या विरहः, अटनम्, अन्यगेहेवासः, स्वप्नः द्वादश पुत्राः- और सक्षेत्रजौ, दत्तककृत्रिमौ, गूढोन्पन्नापिविद्धो, कानोनकहोढौ, प्रोतपौनर्भवौ, शौद्रस्वयंदत्तौ | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | विभाजनम् – दायस्य समानं विभाजनम्, सम्मिलितानां दायदेषु विभाजनविकल्प सम्मिलितानां पृथग्भूते उद्धारस्य विभाजनम्, दत्तकपुत्रस्य दायविभाजनम्, क्षेत्रजपुत्रस्यदायविभाजनम्, अस्वर्णासु जानानां दायविभाजनम् | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | स्त्राधनम्- अध्यग्नि, अध्यावाहनिकम् प्रीतिदत्तम्, भ्रातृप्राप्तम्, मातृप्राप्तम्, पितृप्राप्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | चातुर्वर्ण्यधर्माः- ब्रह्मणानामाजीविका, काकमाणि, वर्णसंकरस्य स्वरूपम् वैश्यानां कर्तव्यम्, क्षत्रियाणां कर्माणि, आपत्काले वैश्यानां शूद्राणां च आजीविकाकमीणि, ब्राह्मणक्षत्रियौ वृद्धि न प्रयोजयताम धर्मपालनाभावात् शूद्रत्वप्राप्तिः | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : तृतीयम्

पत्रम् : द्वितीयम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 3.2 | द्वितीयम् | | विकल्पाधारित – धर्मशास्त्रम् | १०० | १० | ६ |
| | | १ | विवाहसंस्कारः विवाहभेदाश्च, गृहस्थधर्मः कर्तव्यानि च | १६ | १५ | १ |
| | | २ | दानम्, श्राद्धम् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | वानप्रस्थधर्मः तस्य कालश्च संन्यासधर्मः तस्य कालश्च | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | संस्काराः | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | परिवेशसंरक्षणे धर्मशास्त्रस्य योगदानम् | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : तृतीयम्

पत्रम् : तृतीयम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 3.3 | तृतीयम् | | निर्णयसिन्धु – तृतीयपरिच्छेदः | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | प्रारम्भतः शिशुलक्षणं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | २ | अष्टमे वर्षे ब्राह्मणादीनामुपनयनामत्यारभ्य छुरिकाबन्धनविधिं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | विवाहे कन्यापरीक्षणम् इत्यारभ्य संस्कारान्त-प्रकरणं यावत्। | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | क्षूद्रकालः | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | क्षूद्रकालसमाप्तितः तृतीयापरिच्छेदान्तं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : तृतीयम्

पत्रम् : चतुर्थम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोऽध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 3.4 | चतुर्थम् | | धर्मसिन्धुः- तृतीयपरिच्छेदः | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | गर्भाधानसंस्कारारम्भात् नामकरणसंस्कारपर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | २ | अन्नप्राशनसंस्कारपर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | मेखलादण्डविधित आरभ्य कुम्भविवाहं यावत्। | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | कन्याविवाहः | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | कन्याविवाहसमाप्तिः प्रतिष्ठाप्रयोगं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : तृतीयम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 3.5 | पञ्चमम् | | गौतमधर्मसूत्रणि | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | प्रश्नः १ - अध्याय १ तः २ पर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | २ | प्रश्नः १ - अध्याय ३ तः ४ पर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | प्रश्नः १ - अध्याय ५ तः ६ पर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | प्रश्नः १ - अध्याय ७ तः ८ पर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | प्रश्नः १ - नवमाध्यायः | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : चतुर्थम्

पत्रम् : द्वितीयम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 4.2 | द्वितीयम् | | गौतमधर्मसूत्रणि | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | प्रश्नः २ - अध्याय १ तः २ पर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | २ | प्रश्नः २ - अध्याय ३ तः ४ पर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | प्रश्नः २ - अध्याय ५ तः ६ पर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | प्रश्नः २ - अध्याय ७ तः ८ पर्यन्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | प्रश्नः २ - नवमाध्यायः | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : चतुर्थम्

पत्रम् : तृतीयम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 4.3 | तृतीयम् | | विकल्पाधारित – धर्मशास्त्रम् | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | इष्टापूर्तम्, स्त्रीधर्मः | १६ | १५ | १ |
| | | २ | वर्णधर्मः, आश्रमधर्मः | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | वर्णाश्रमधर्मः | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | गुणधर्मः राजधर्मो वा | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | निमित्तधर्मः, साधारण | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : चतुर्थम्

पत्रम् : चतुर्थम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 4.4 | चतुर्थम् | | निर्णयसिन्धौ तृतीयपरिच्छेदस्य उत्तरार्धः | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | श्राद्धप्रकरणे श्राद्धनिर्णयतः श्राद्धपदार्थान्तं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | २ | श्राद्धप्रकरणे दर्भग्रहणारम्भतः श्राद्धे भोजनपात्राणि यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | श्राद्धप्रकरणे कासपात्रनिषेधतः महालये गयायां च पिण्डप्रमाणं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | श्राद्धप्रकरणे प्रेतपिण्डप्रमाणतः तीर्थं श्राद्धं | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | श्राद्धप्रकरणे तीर्थप्रतिग्रहनिर्णयः | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्दडी), कपिष्ठलम् (कैथलनगरम्)

कक्षा- आचार्य

विषयः – धर्मशास्त्रम् (विशेषाध्ययनम्)

सत्रम् : चतुर्थम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| कूटाङ्कः | प्रश्नपत्रम्- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः प्रथमोध्यायः | पूर्णाङ्काः | अवधिः | श्रेयोऽङ्कः |
|----------------|----------------------------|-------|---|-------------|-------|-------------|
| AC(DS)- 4.5 | पञ्चमम् | | धर्मसिन्धुः तृतीयपरिच्छेदे उत्तरार्धः | १०० | ९० | ६ |
| | | १ | जीर्णोद्धारविधिः इत्यारभ्य श्राद्धकालं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | २ | श्राद्धे उत्तमब्राह्मणतः तीर्थश्राद्धं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ३ | आशौचनिर्णये प्रारम्भतः अन्त्येष्टिनिर्णयं यावत् | १६ | १५ | १ |
| | | ४ | प्रायश्चित्तम् | १६ | १५ | १ |
| | | ५ | आशौचनिर्णयः | १६ | १५ | १ |
| | | ६ | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्का ०५ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५ ४. उपस्थितिः अङ्काः ०५ ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्काः ८६%-९०% = ०४ अङ्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २० | १५ | १ |